राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

fn'kk dh cBd e igp jkgy xk/kh] 78 foHkkxk d vQlj ektn fiNyh ckj d lokyk d nx tokc

लखनऊ, (संवाददाता)। संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी शदिशाश की बैठक में भाग लेने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन पहुंचे हैं। बैठक में 78 विभागों के अफसर मौजूद हैं। पिछली बैठक में उठाए गए सवालों पर अब अधिकारियों को जवाब देने हैं। केंद्रीय विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर फिर समीक्षा होगी। यूपी के रायबरेली में मंगलवार को सांसद राहुल गांधी के दौरे से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। हरचंदपुर क्षेत्र में सांसद के खिलाफ रात में होर्डिंग और पोस्टर लगा दिए गए। इनमें उनके पिछले बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। पोस्टरों में लिखा शतुम जातिवाद से तोड़ोगे, तो हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे ।

वर्ष – 03 | अंक – 250 | जौनपुर | बुधवार, 30 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

पहलगाम हमले के बाद कैबिनेट की पहली बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस विधायक और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के वित्तीय सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने पहलगाम आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शहम पाकिस्तान पर तुरंत हमला क्यों नहीं कर सकते? कल ही युद्ध क्यों नहीं शुरू कर सकते? हमें कौन रोक रहा है?श उन्होंने कहा, शवे कहां से घुस रहे हैं? पीओके से। उनमें से 90 प्रतिशत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से आते हैं। उन जगहों पर हमला करें और उन्हें रोकें। उन जगहों पर बमबारी करें जहां आतंकवादी छिपे हुए हैं और उन्हें खत्म करें। केंद्र सरकार ने अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की है? मैं मांग करता हूं कि वे तुरंत कार्रवाई करें। अगर आप शुरू करने जा रहे हैं, तो एक हफ्ते के भीतर करें। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी

राधाकृष्णन ने मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं की विवादास्पद टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि कुछ पार्टियां और उनके पदाधिकारी इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने 22 अप्रैल के आतंकी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान पर निशाना साधा और कहा कि पड़ोसी देश भारत में अशांति पैदा करना चाहता है और इसलिए उससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता सागरिका घोष की कश्मीर में शबम न्यायश संबंधी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राधाकृष्णन ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पहलगाम हमले के मद्देनजर कथित आतंकवादियों के घरों को ध्वस्त करने के बीच टीएमसी नेता घोष ने सोमवार को कहा था कि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर न्याय के बाद जम्मू–कश्मीर में बम न्याय देखा जा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में राज्यसभा सांसद ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की जरूरत है, न कि दिखावे की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्पहलगाम में आतंकी हमले के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं के किस किस प्रकार के बयान आते हैं, कभी कभी पता लगाने में कठिनाई होती है कि ये समाजवादी पार्टी के नेता बयान दे रहे हैं या कोई पाकिस्तान का प्रवक्ता बयान दे रहा है... जब पत्रकारों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष से पूछा कि आप पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के वहां क्यों नहीं गए तब उन्होंने कहा कि वो हमारी पार्टी का थोड़ी था। कितना दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बयान है... आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ भारतीयों को एक स्वर से लड़नी चाहिए। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, ष्कांग्रेस और उसके नेता अजीबोगरीब स्थिति में हैं। राज्यों में चुनाव हो रहे हैं और जनता ने उन्हें नकार दिया है। उनके पास अपने अस्तित्व को बचाने और गांधी परिवार के प्रति अपनी भक्ति दिखाने का एकमात्र तरीका बयानबाजी करना और खबरों में बने रहना है। हम सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस (पहलगाम आतंकी हमला) मुद्दे को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। विपक्ष द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग पर उन्होंने कहा, ष्सरकार इस मुद्दे पर फैसला लेगी और जो भी उचित होगा, उस दिशा में फैसला लेगी। गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने पर कहा, ...यह हमारे देश की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ चुनौती है।

देश की सुरक्षा से जुड़ी रिपोर्ट को छुआ भी नहीं जाएगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्लीं सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पेगासस मामले में सुनवाई के दौरान इस बात पर हैरानी जताई कि अगर सरकार आतंकियों की जासूसी करा रही हैं तो इसमें गलत क्या है? साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे ऐसी किसी भी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करेंगे, जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी हो। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि वे ऐसी किसी भी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करेंगे, जो देश की सुरक्षा और सुप्रभुता से जुड़ी हो। हालांकि उन्होंने संकेत दिए कि वे निजता के उल्लंघन की व्यक्तिगत आशंकाओं पर विचार कर सकता है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट पर सड़कों पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। एक याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील दिनेश द्विवेदी ने सुनवाई के दौरान कहा कि शसवाल ये था कि क्या सरकार के पास स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर

है और क्या वह इसका इस्तेमाल कर सकती है? अगर सरकार के पास ये है तो कोई भी उन्हें इसका इस्तेमाल करने से नहीं रोक सकता। इस पर पीठ ने कहा कि अगर देश आतंकियों के खिलाफ स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर रहा है तो इसमें गलत क्या है? स्पाइवेयर रखना गलत नहीं है, ये किसके खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है, सवाल इसका है। देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। आम नागरिकों का संविधान के तहत निजता का अधिकार सुरक्षित किया जाएगा। पीठ ने कहा कि कोई भी रिपोर्ट, जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी हो, उसे छुआ नहीं जाएगा, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर अगर कोई यह जानना चाहता है कि वह रिपोर्ट में शामिल है या नहीं, उसे इसकी जानकारी दी जा सकती है। लेकिन रिपोर्ट को ऐसा दस्तावेज नहीं बनाया जाएगा कि सड़कों पर भी इसकी चर्चा हो।श अदालत ने कहा कि वे इस बात की जांच करेंगे कि किस हद तक तकनीकी समिति की रिपोर्ट को संबंधित व्यक्ति के साथ साझा किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एनसीआर के मौसम ने बदली करवट, जारी हुआ बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन दिनों कड़ाके की गर्मी हो रही है। बढ़ता तापमान लोगों को लगातार परेशान कर रहा है। दिल्ली एनसीआर और इसके आस पास के इलाकों में लोगों को जल्द ही गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुमान से ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में मौसम विभाग ने 29 अप्रैल को बारिश की संभावना व्यक्त की है। दिल्ली में 30 अप्रैल तक बादल छाए रह सकते है। वहीं एक से दो मई के बीच भी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। दिल्ली में इन दिनों तापमान 40 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस है। मौसम विभाग की मानें तो नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव, दिल्ली, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा के इलाकों में 29 अप्रैल को बारिश हो सकती है। दिल्ली एनसीआर में शाम के समय मौसम खराब हो सकता है। दिल्ली में 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चल सकती है। दिल्ली में इस दौरान बारिश की शुरुआत हो सकती है।

कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं

जम्मू–कश्मीर, (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पहले लोग सिर्फ तभी सड़कों पर उतरते थे जब विरोध प्रदर्शन नेताओं द्वारा प्रायोजित होते थे। मैंने पहली बार लोगों को पहल करते और सड़कों पर उतरते देखा। उन्होंने कहा कि लोगों ने धार्मिक स्थलों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की। मैंने पहली बार कश्मीर में मुसलमानों के बीच इतना आतंकवाद विरोधी माहौल देखा है। अगर मीडिया ने विरोध प्रदर्शनों को ठीक से कवर किया होता तो पाकिस्तान को अच्छा जवाब मिलता। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं है। इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति रिपोर्ट पर संभल मस्जिद समिति से मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संभल की मुगलकालीन जामा मस्जिद के बाहर विवादित कुएं को लेकर दी गई स्थिति रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष कोर्ट ने समिति को इसके लिए दो हफ्ते का समय दिया। शीर्ष कोर्ट ने 10 जनवरी को संभल के जिलाधिकारी को निर्देश दिया था कि कुएं पर यथास्थिति को बनाए रखें। संभल की शाही जामा मस्जिद प्रबंधन समिति की याचिका पर विचार करते हुए शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक, संभल के जिलाधिकारी और हरिशंकर जैन के नेतृत्व में हिंदू पक्ष के अन्य निजी पक्षकारों को नोटिस जारी किया। आज चीफ जस्टिस (सीजेआई) संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम.नटराज ने बताया कि कुआं एक पुलिस के पास श्पूरी तरह से मस्जिद से बाहरश है। इस पर बेंच ने मस्जिद समिति को दो हफ्ते के भीतर स्थिति रिपोर्ट पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मस्जिद समिति की ओर से वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी पेश हुए। उन्होंने बेंच से आग्रह किया कि मस्जिद समिति के प्रमुख जफर अली जेल में हैं, इसलिए तीन हफ्तों का समय दिया जाए। जफर अली को 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उनकी यह गिरफ्तारी 24 नवंबर 2024 को मस्जिद के सर्वेक्षण के विरोध के दौरान हुई हिंसा के मामले में हुई। चीफ जस्टिस खन्ना ने कहा, जेल में मुलाकात करें और जवाब दाखिल करें। कोई भी समिति की ओर से जवाब दाखिल कर सकता है। कृपया दो हफ्तों में ही इसे पूरा करें। इसके ही अदालत ने सुनवाई को टाल दिया। मस्जिद समिति ने अपनी याचिका में कहा है कि संभल जिला प्रशासन शहर के पुराने मंदिरों और कुओं को पुनर्जीवित करने का अभियान चला रहा है। इसमें कम से कम 32 पुराने मंदिर और 19 कुएं शामिल हैं। याचिका में कहा, इस सूची में वह कुआं भी शामिल है, जो मस्जिद परिसर में है। बेंच ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि वह मस्जिद के पास स्थित कुएं के बारे में किसी भी नोटिस को लागू न करें और यथास्थिति को बनाए रखें। याचिका में मांग की गई ।

24 हजार जवानों के सबसे बड़े ऑपरेशन से थर्राए नक्सली, 1,000 को किया गया टारगेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भीषण गर्मी और चुनौतीपूर्ण इलाके का सामना करते हुए, लगभग 24,000 सुरक्षाकर्मियों ने तेलंगाना–छत्तीसगढ़ सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ियों को घेरकर एक सप्ताह से अधिक समय तक किले की रखवाली की और लगभग 1,000 नक्सलियों को उनके गढ़ से खदेड़ दिया। यह देश में अब तक का सबसे बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान है, जो गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मार्च 2026 तक वामपंथी उग्रवाद को पूरी तरह से खत्म करने की शपथ के अनुरूप है। यह नक्सली गढ़, जिसमें कई कैडर और कुछ शीर्ष कमांडर हैं, 800 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे अब जवानों ने घेर लिया है। पहाड़ियों की घेराबंदी कर दी गई है, जबकि छिपे हुए नक्सलियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है। सुरक्षाकर्मी भारी मात्रा में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से घिरे जंगली और पहाड़ी इलाकों में धीरे–धीरे आगे बढ़ रहे हैं तथा माओवादी ठिकानों और नक्सली हथियारों के भंडारों की तलाश में पूरे इलाके की लंबाई–चौड़ाई की छानबीन कर रहे हैं। पिछले हफ्ते माओवादियों और आगे बढ़ रहे सुरक्षा बलों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ और तलाशी अभियान जारी रहने के बावजूद, केवल तीन शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बल खतरनाक इलाकों से व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं और माओवादियों द्वारा छोड़े गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और प्रेशर बमों को हटा रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि यह एक चुनौतीपूर्ण इलाका है, जिसमें गुफाएं और छिपने के ठिकाने हैं, जो इस अभियान की लंबी प्रकृति को स्पष्ट करता है। इस अभियान का लक्ष्य दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी), तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी), पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन नंबर एक और अन्य माओवादी समूहों के प्रभाव को खत्म करना है, जिन्होंने इस क्षेत्र का इस्तेमाल वामपंथी उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह के रूप में किया है। उन्होंने कहा कि जब तक 800 वर्ग किलोमीटर का पूरा कोर माओवादी क्षेत्र पूरी तरह से खाली नहीं हो जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा। अब तक, तीन सुरक्षाकर्मी – कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन, स्पेशल टास्क फोर्स और डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड से अलग–अलग प्क्ष विस्फोटों में घायल हो चुके हैं। इसके अलावा, कम से कम छह कर्मियों को निर्जलीकरण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है, दिन का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है।

जीतेंगे 200 से ज्यादा सीटें, नीतीश फिर बनेंगे सीएम

बिहार, (एजेंसी)। बिहार चुनाव को लेकर जदयू ने बड़ा दावा कर दिया है। बिहार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने साफ तौर पर कहा कि एनडीए में बिलकुल भी कोई भ्रम नहीं है। चिराग पासवान ने भी कहा है कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा। बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने भी यही कहा है। विपक्ष ये खबर फैला रहा है कि एनडीए एकजुट नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं ये साफ कर देना चाहता हूं कि एनडीए एकजुट है, नीतीश कुमार एक बार फिर सीएम बनेंगे और अगले पांच सालों में बिहार आर्थिक रूप से काफी तरक्की करेगा। अशोक चौधरी ने कहा कि आगामी चुनाव में एनडीए 200 से ज्यादा सीटें जीतेगी। हमें उम्मीद नहीं है कि तेजस्वी यादव हमारे लिए कुछ अच्छा कहेंगे। उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार को बिहार मिला था, तब बजट 24,000 करोड़ रुपये था, आज यह लगभग 3.20 लाख करोड़

रुपये है। लोग आरजेडी से डरते हैं, कोई नहीं चाहता कि वह सत्ता में आए और लोग नीतीश कुमार के प्रदर्शन से खुश हैं। दूसरी ओर बिहार में इंडिया ब्लॉक के घटक दलों ने राजद के तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में एक समन्वय समिति का गठन किया, जो इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर विचार–विमर्श करेगी। इस आशय का निर्णय राजद कार्यालय में राज्य में महागठबंधन के सभी गठबंधन सहयोगियों की बैठक में लिया गया। हालांकि, इस बात की सबसे ज्यादा संभावना थी, उसपर बात नहीं बन सकी। तेजस्वी को फिलहाल सीएम फेस बनाने को लेकर सहमति नहीं बन सकी है। बिहार के छोटे गटक दल इसके लिए तैयार हैं, हालांकि, कांग्रेस फिलहाल इसमें अड़ंगा लगा रही है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा और सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई। हालांकि, बैठक से पहले यह माना जा रहा था कि तेजस्वी यादव को लेकर कोई बड़ा निर्णय लिया जा सकता है। लेकिन इस बैठक में सीएम फेस को लेकर कोई चर्चा ही नहीं हुई। सिर्फ तेजस्वी यादव को कोऑर्डिनेशन कमिटी का अध्यक्ष बना दिया गया। ऐसे में कांग्रेस ने बाजी को अपने हाथों में कर ली है।

गोवा में जमीन हड़पने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की बड़ी कार्रवाई, 193 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा में जमीन हड़पने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 193.49 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।यह कार्रवाई गोवा पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की तरफ से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की गई है, जिसमें कई लोगों पर जालसाजी और धोखाधड़ी से जमीन हड़पने के आरोप लगे हैं। ईडी ने बताया कि आरोपियों ने मृत व्यक्तियों या उनके पूर्वजों के नाम पर सभी नकली दस्तावेज तैयार किए और फिर इन दस्तावेजों के जरिए सरकारी जमीन रिकॉर्ड में अपने या अपने साथियों के नाम दर्ज करवा दिए। बाद में इन जमीनों को तीसरे लोगों को बेचकर पैसे कमाए गए या फर्जी बिक्री दस्तावेजों के जरिए साथियों को ट्रांसफर कर दिया गया, जिसमें असली भुगतान नहीं किया गया। ईडी ने 25 अप्रैल को 24 संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश जारी किया, जो बार्देज तालुका के प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों जैसे कालांगुट, असगांव, अंजुना, नेरुल और पारा इलाके में मौजूद हैं। इस केस में अब तक कुल 232.73 करोड़ रुपये की संपत्तियां ईडी की तरफ से कुर्क की जा चुकी हैं। जिसमें पिछले साल ईडी ने 39.24 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी। जबकि एजेंसी ने अप्रैल 2023 में इस मामले में मापुसा की विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी।

जान गंवाने वाले महाराष्ट्र के लोगों को 50 लाख मुआवजा और नौकरी देगी सरकार

मुंबई , (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश का महौल है। इसी बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए छह महाराष्ट्र निवासियों के परिवारों को राज्य सरकार द्वारा 50–50 लाख रुपए मुआवजा दिया

जाएगा। इसके साथ ही फडणवीस ने यह भी बताया कि सरकार इन पीड़ित परिवारों को नौकरी भी प्रदान करेगी। बता दे कि बीते दिनों 22 अप्रैल मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिसमें अधिकतर पर्यटक थे। वहीं महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस की ओर से लिया गया यह फैसला कैबिनेट बैठक में आतंकवादी हमले में मारे गए नागरिकों के परिजनों को वित्तीय सहायता और रोजगार प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे दुखद बताया। साथ ही राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ हर संभव सहयोग करेगी।

सर तन से जुदा पार्टी की विचारधारा और चरित्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने मंगलवार को कांग्रेस की इस विवादित पोस्ट की कड़ी निंदा करते हुए इसे बेहद दुखद और चिंताजनक बताया। भाटिया ने पार्टी पर अपने 'दो चेहरे' दिखाने और 'लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस' में तब्दील होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। भाटिया ने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और प्रार्थना शामिल है, वो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। लेकिन एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच

रहता है, लेकिन अगर उसे लश्कर–ए– पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वेरिफाइड ग हैंडल से एक तस्वीर पोस्ट की जाती है। इस तस्वीर के पोस्ट होने के बाद एक बहुत बड़ा सिग्नल शत्रु देश पाकिस्तान को दिया जाता है कि चिंता मत करो, भारत के अंदर मीर जाफर, तुम्हारे समर्थक सब उपस्थित हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस तस्वीर में शरीर है, लेकिन सिर नहीं है। शसर तन से जुदाश आज लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस की विचारधारा और चरित्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री, जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं, जो पूरे देश को शर्मसार करते हैं और पीड़ा देते हैं। गौरव भाटिया ने कहा कि ये लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस का प्रयास है कि इस अहम समय में कैसे भारत को कमजोर किया जाए और कांग्रेस के टॉवर से पाकिस्तान को सिग्नल दिया जाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारत को, सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं ही कि वो देश का मनोबल तोड़ना तो दूर, कम भी कर सके! उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारतीय मूल के लोग पाकिस्तान के दूतावास और उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन के दौरान उनका अधिकारी बालकनी से बाहर आकर इशारा करता है । कि हम भारतीयों का सिर काट देंगे। यह संकेत कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी के एंटीना में कैद हो गया। प्रधानमंत्री के लिए भी ऐसी ही तस्वीर यहां पोस्ट की गई है। तो क्या यह कहना गलत है कि कांग्रेस कह रही है कि हम पाकिस्तान के साथ हैं?

संपादकीय

एकता-शांति का संदेश

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मनरूस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू–कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। जम्मू–कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ जम्मू–कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा–जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू–कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू–कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि ध र्म–संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं। निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू–कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में धकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं। उन्होंने उन कयासों को खारिज किया कि त्रासदी का उपयोग राजनीतिक लाभ हेतु राज्य का दर्जा पाने के लिये किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आतंकवाद अपना भयानक रूप दिखाता रहेगा, तब तक जम्मू–कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में कश्मीरियों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की पूरी तरह से भागीदारी जमीन पर एक स्पष्ट अंतर ला सकती है।

खुफिया तंत्र की मजबूती से थमेंगे आतंकी हमले

उदय

एक दुर्लभ और स्वागत योग्य घटनाक्रम में, केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के दो दिन बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बंद कमरे में सर्वदलीय बैठक बुलाई । मीडिया रिपोर्टों में विचार–विमर्श के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। पहली बात, सभी राजनीतिक दल इस बात पर सहमत थे कि भारत को आतंकवाद

से एकजुट होकर लड़ना चाहिए। मीडिया को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'सभी दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, हम उसका समर्थन करेंगे।' इस आम सहमति का सावधानी से स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि कई नेताओं ने अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित किए रखा और हमले के बाद अपने एतराज जताने से बचने की कोशिश की है। वे सांप्रादायिक व धार्मिक उन्माद को भड़काने से काफी हद तक दूर रहे, जो पिछले एक दशक से घरेलू राजनीतिक विमर्श पर हावी है। इस प्रवृत्ति ने भारत के सामाजिक सौहार्द को कमजोर किया है, जिसका आंतरिक सुरक्षा पर क्षयकारी प्रभाव पड़ता है। इस तथ्य के मद्देनजर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक में शामिल न होकर बिहार में चुनावी रैली में भाग लेना चुना, इसको लेकर विपक्षी दलों ने आलोचना की, उनकी अनुपस्थिति ने बैठक के महत्व को कम कर दिया। सवाल उठता है अगर पहलगाम हमले की वजह ने प्रधानमंत्री को सऊदी अरब की अपनी यात्रा बीच में ही स्थगित करने को प्रेरित किया, तो क्या ऐसे में एक सूबे की चुनावी रैली को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी? सर्वदलीय बैठक में सरकार द्वारा पहलगाम मामले में हुई चूक की एक दुर्लभ स्वीकारोक्ति भी देखी गई, जिसकी वजह से यह त्रासदी घटित हुई। एक नेता, जो कि 'सत्तारूढ़ गठबंधन' का बताया जा रहा है, उसने कथित तौर पर वाकपटुता बरतते हुए कहा, 'अगर कुछ भी गलत नहीं हुआ होता, तो हम यहां क्यों बैठे होते? कहीं न कहीं चूक हुई है, जिसका हमें पता लगाना होगा।' यह जून, 2020 में गलवान संघर्ष के बाद जो हुआ, उससे थोड़ा–सा अलग लेकिन सकारात्मक बदलाव है। चूकें, कहने को, खुद–ब–खुद समीक्षा करने योग्य हैं। विपक्षी दलों के सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने बैसरन घास मैदान को सैलानियों के लिए खोलने से पहले सुरक्षा एजेंसियों को सूचित नहीं किया, जिस तक पहुंच आमतौर पर जून में अमरनाथ यात्रा तक प्रतिबंधित रहती है। देखा जाए तो, यह एक अजीबोगरीब दावा है, जबकि 2019 में संयुक्त जम्मू–कश्मीर का विभाजन करने के बाद कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने में भारी निवेश किया गया है। बैठक में यह भी खुलासा हुआ कि जिस जगह पर आतंकवादियों ने हमला किया था, वहां तक पहुंचने के लिए '45 मिनट की चढ़ाई करनी पड़ती है और इस प्रकार की आपात स्थितियों को तेजी से निपटने के वास्ते कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पहले से मौजूद नहीं थी'। यह देखते हुए कि कश्मीर में उच्च घनत्व वाली सुरक्षा और खुफिया ग्रिड काम करती है ये चूकें साफ तौर पर असंगत हैं। यहां तक कि ऐसे मैदान में, जो भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता हो, वहां अचानक पैदा होने वाली किसी चिकित्सा संबंधी आपात स्थिति बनने की सूरत में, एक बुनियादी पर्यटक आपातकालीन निकासी प्रोटोकॉल पहले से तैयार रखना राजकीय तैयारियों का हिस्सा होना चाहिए था। क्या यह चूकें, जो निर्दोष पर्यटकों के संहार का कारण बनीं, उनकी निष्पक्ष और त्वरित तरीके से पहचान की जाएगी? लगता तो नहीं और मुझे खुशी होगी अगर मैं गलत साबित होऊं। पिछला रिकॉर्ड उत्साहजनक नहीं है। भारत विगत में भी कमजोर या अपर्याप्त खुफिया सूचनाओं के कारण गंभीर सुरक्षा झटके झेलता आया है, जिन्हें कार्रवाई योग्य न मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता रहा। अक्तूबर, 1947 के बाद से, जब कश्मीर के लिए पहला युद्ध लड़ा गया था, से लेकर अक्तूबर, 1962 तक (जब चीन ने भारत को 'हैरान' किया) और 1999 की गर्मियों में कारगिल की पहाड़ियां कब्जाने तक खुफिया चूक भारतीय सुरक्षा गाथा की एक बारम्बार दोहराई गई 'खासियत' रही है। कारगिल युद्ध के बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने दिवंगत के. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में कारगिल समीक्षा समिति (केआरसी) का गठन किया था। खुफिया विभाग की कारगुजारी से संबंधित इन निष्कर्षों को याद करना जरूरी है। केआरसी रिपोर्ट में कहा गया है, 'विभिन्न स्तरों पर एजेंसियों और उनकी दी जानकारी इस्तेमाल करने वालों के बीच समन्वय या उद्देश्य–उन्मुख संपर्क के लिए कोई संस्थागत तंत्र नहीं है। इसी प्रकार, एजेंसियों को काम सौंपने, उनके प्रदर्शन की निगरानी करने और उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करने में उनके रिकॉर्ड की समीक्षा करने के वास्ते कोई तंत्र नहीं है। न ही एजेंसियों के समग्र कामकाज की कोई निगरानी है।' नीतियों में सुधार के लिए इस किस्म का स्पष्ट आकलन आने के एक–चौथाई सदी बाद भी, जिसे अपारदर्शी खुफिया पारिस्थितिकी तंत्र में लागू किया जाना था, इस बात के बहुत कम ठोस सबूत हैं कि समुचित कदम उठाए गए होंगे। हां, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूरक के तौर पर राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) जैसी अधिक एजेंसियां बनाई गई हैं, लेकिन चूकें फिर भी जारी रहीं। संसद पर हमला (दिसंबर, 2001), मुंबई आतंकवादी हमला (नवंबर, 2008), पुलवामा आत्मघाती बम विस्फोट (फरवरी, 2019) और अब पहलगाम संहार, इस सूची का हिस्सा हैं। भारतीय पुलिस सेवा द्वारा संचालित राष्ट्रीय खुफिया तंत्र की एक 'ब्लू–रिबन पैनल' द्वारा गहन समीक्षा करवाए जाने की आवश्यकता है, जो केआरसी द्वारा अवलोकनों ध सिफारिशों को लागू करे और बहु–विभागीय सुधार कर इसको नया स्वरूप दे, जैसा कि विश्वभर में किया जाता है। सरकार के पास अनेक मूल्यवान रिपोर्टें और सिफारिशें पहले से मौजूद हैं, इन पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

आर्थिक–कूटनीतिक मोर्चों पर पाक से बहुत आगे भारत

जयंतीलाल

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय मीडिया व विशेषज्ञों द्वारा कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से बहुत मजबूत है। भारत द्वारा पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत सरकार के पास वैश्विक कूटनीतिक समर्थन, आर्थिक संबल व देश की जनता का अभूतपूर्व समर्थन है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान से गोलीबारी की जा रही है।द भारत की आर्थिक मजबूती भी भारत के लिए प्रभावी हथियार बनी हुई है। वस्तुतः इस समय भारत पाक से आर्थिक ताकत के हिसाब से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। ऐसे में युद्ध की आशंका में जहां भारत युद्ध के भारी खर्चों को वहन करने की स्थिति में होगा, वहीं युद्ध होने पर पाक की कमजोर अर्थव्यवस्था बर्बादी की ओर उन्मुख होगी। गौरतलब है कि सरकार ने 23 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ व्यापार रोकने, पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को निकालने, सार्क वीजा रियायत योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दिए वीजा निरस्त करने और सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को 1965, 1971 और 1999 में पाक युद्ध के समय भी स्थगित नहीं किया गया था। भारत द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी से पेयजल, खेती व बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। पाक के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। तभी पाक की बौखलाहट दिखाई दे रही है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत विश्व की चौथी सबसे मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश है, वहीं पाकिस्तान अब 12वें नंबर पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स विभिन्न देशों की पारंपरिक युद्ध क्षमताओं के 60 से अधिक फैक्टर्स जैसे जनसंख्या, रक्षा बजट, सैन्य संसाधन, क्रय शक्ति, और सामरिक स्थिति को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। भारत के सक्रिय सैनिकों की संख्या लगभग 14.55 लाख है, जो पाकिस्तान के 6.54 लाख सक्रिय सैनिकों की तुलना में कहीं अधिक है। इसके अलावा, भारत के पास ज्यादा रिजर्व सैनिक और पैरामिलिट्री फोर्सेज भी हैं। थल सैन्य शक्ति के अलावा भारत की वायु और जल सैन्य शक्ति भी पाकिस्तान से बहुत अधिक है। यह भी महत्वपूर्ण है कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) के मुताबिक जहां भारत के पास 180 परमाणु हथियार हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। लेकिन भारत के परमाणु हथियार न्यूक्लियर डोमेन में पाकिस्तान से बहुत आगे हैं। इतना ही नहीं भारत न्यूक्लियर ट्रायड यानी जल, थल और आकाश तीनों में परमाणु हथियार दागने की क्षमता रखता है। वहीं भारत की आर्थिकी पाकिस्तान से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025–26 के लिए दोनों देशों के बजट को देखें तो पाते हैं कि भारत का बजट पाकिस्तान के बजट से करीब 11 गुना बढ़ा है। मौजूदा वित्त वर्ष के केंद्रीय बजट में भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों के लिए 77.4 अरब डॉलर का आवंटन किया है, वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान का रक्षा बजट लगभग 7.6 अरब डॉलर है। इस अंतर से साफ पता चलता है कि भारत का सैन्य बजट पाकिस्तान से लगभग 10 गुना अधिक है। हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की विकास दर 6.3 फीसदी और पाकिस्तान की विकास दर महज 2.6 फीसदी रह सकती है।

..... विविध .....

अगर नहीं छोड़ी ये 4 चीजें, तो शरीर में खुल जाएगी कोलेस्ट्रॉल की फैक्ट्री

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनहेल्दी खानपान की वजह से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ता जा रहा है। जब यह लेवल जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो दिल की बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और ट्रिपल वेसल डिजीज जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

इसलिए जरूरी है कि हम अपनी डाइट में कुछ खास चीजों से दूरी बनाएं कृ खासकर वो फूड्स जिनमें ट्रांस फैट बहुत ज्यादा होता है। ट्रांस फैट शरीर के लिए सबसे खतरनाक फैट माना जाता है जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ाता है और धमनियों को बंद कर सकता है।आइए जानते हैं 4 ऐसी चीजों के बारे में जिन्हें खाने से कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ सकता है।

बिस्किट

बहुत से लोगों को लगता है कि बिस्किट खाने से कुछ नुकसान नहीं होता, लेकिन ये सच नहीं है। खासतौर से मीठे और मक्खन वाले बिस्किट में ट्रांस फैट और सेचुरेटेड फैट पाया जाता है जो दिल की सेहत के लिए हानिकारक होता है। अगर आप रोज बिस्किट खाते हैं, तो सावध ाान हो जाइए!

फ्रोजेन फूड

टेक्नोलॉजी ने भले ही खाना स्टोर करने के तरीके आसान बना दिए हों, लेकिन फ्रोजेन फूड आपकी सेहत का दुश्मन बन सकता है। इन पैकेज्ड फूड्स में अक्सर ट्रांस फैट छिपा होता है। फ्रोजेन फूड खरीदते समय उसके पैक पर दिए गए न्यूट्रिशन लेबल को जरूर पढ़ें।

केक

केक खाना तो सभी को पसंद होता है, लेकिन ध्यान दें कृ ज्यादातर पैक्ड केक के पैकेट पर लिखा होता है ष्मतव ज्तंदे थ्ंजष्। असल में, इसका मतलब होता है कि उसमें 0.5 ग्राम तक ट्रांस फैट हो सकता है। रोजाना थोड़ा–थोड़ा करके ये फैट आपके शरीर में जमा हो जाता है और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है।

फ्रेंच फ्राइज

फ्रेंच फ्राइज बच्चों से लेकर बड़ों तक सबका पसंदीदा स्नैक है। लेकिन इसे तलने के लिए अक्सर हाइड्रोजनेटेड ऑयल का इस्तेमाल होता है, जिसमें ट्रांस फैट बहुत अधिक होता है। इसका ज्यादा सेवन कोलेस्ट्रॉल को तेजी से बढ़ाता है और दिल पर बुरा असर डालता है।

क्या करें बचाव के लिए?

घर का बना ताजा और संतुलित खाना खाएं

ट्रांस फैट और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं

फल, सब्जियां, ओमेगा–3 फैटी एसिड और फाइबर युक्त आहार लें

नियमित व्यायाम करें और वजन को कंट्रोल में रखें

अगर आप अपने दिल की सेहत को लंबे समय तक बनाए रखना चाहते हैं, तो इन 4 अनहेल्दी चीजों से दूरी बनाना बेहद जरूरी है।

मुंह के छाले बन सकते हैं कैंसर का कारण

मुंह के छाले एक आम समस्या हैं, जिन्हें आमतौर पर तनाव, पोषण की कमी या गले में इन्फेक्शन जैसे कारणों से जाना जाता है। हालांकि, क्या ये छाले कैंसर का कारण बन सकते हैं? यह सवाल कई लोगों के मन में आता है। हालांकि, मुंह के छाले आमतौर पर कैंसर का कारण नहीं होते, लेकिन अगर ये लंबे समय तक ठीक न हों और बढ़ते जाएं, तो ये मुंह के कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। आइए, जानते हैं इसके बारे में और अधिक।

मुंह के छाले– सामान्य या खतरनाक?

मुंह में होने वाले छाले तनाव, पोषण की कमी, गले में इंफेक्शन, या अन्य कारणों से हो सकते हैं। ये आमतौर पर कुछ हफ्तों में खुद ही ठीक हो जाते हैं। लेकिन अगर यह 3 हफ्तों से ज्यादा समय तक ठीक न हो और दर्द बढ़ जाए, तो डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी है।

कब दिखाना चाहिए डॉक्टर को?

यदि आपके मुंह के छाले 3 हफ्तों में ठीक नहीं होते, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इसके अलावा, अगर छालों में से खून बहने लगे, या छाले के आस–पास लाल या सफेद धब्बे नजर आए, तो यह ओरल कैंसर का संकेत हो सकता है। साथ ही, यदि गर्दन में गांठ महसूस हो, तो यह भी एक गंभीर स्थिति हो सकती है, जिसे डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

मुंह के छाले और मुंह के कैंसर में अंतर

मुंह के छाले दर्दनाक घाव होते हैं जो आमतौर पर जीभ, गालों, मसूड़ों या होंठों के अंदर होते हैं। ये लाल रंग के होते हैं और इनके बीच सफेद, पीला या भूरा रंग दिख सकता है। वहीं, मुंह का कैंसर इससे अलग होता है और यह मुंह के अंदर की कोशिकाओं में होता है, जैसे होंठ, जीभ, गाल या गले में।

मुंह के छाले के कारणरू मुंह में छाले होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वायरल इंफेक्शन, बैक्टीरिया, हार्मोनल बदलाव, पीरियड्स की समस्या, या मुंह का ठीक से साफ ना करना। इन कारणों से बचने की कोशिश करें।

ओरल कैंसर के लक्षण

ओरल कैंसर के प्रमुख कारण हैं तंबाकू और शराब का सेवन, ज्यादा ध ाूप में रहना, और मुंह की सही सफाई न करना। यदि किसी व्यक्ति को बार–बार मुंह में छाले होते हैं जो ठीक नहीं होते, तो ओरल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसके लक्षणों में मुंह में लाल या सफेद धब्बे, बोलने या निगलने में परेशानी, आवाज का बैठना, और मुंह से खून आना शामिल हो सकते हैं। मुंह के छाले आमतौर पर खतरनाक नहीं होते, लेकिन यदि यह समय से ठीक न हो, तो इसे नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से सलाह लें। ओरल कैंसर के लक्षणों से सावधान रहें और समय रहते इलाज कराएं।

गर्मियों में शादी-पार्टी के लिए स्टाइलिश और कंफर्टेबल लुक पाने के आसान टिप्स

गर्मियों में शादी या पार्टी अटेंड करने से पहले महिलाओं को आउटफिट्स और मेकअप को लेकर कई तरह की चिंताएं होती हैं। इस मौसम में अक्सर भारी कपड़े और मेकअप पसीने और इरिटेशन का कारण बनते हैं, जिससे शादी या पार्टी का पूरा मजा खराब हो सकता है। लेकिन कुछ स्मार्ट फैशन टिप्स और मेकअप ट्रिक्स अपनाकर आप न सिर्फ आरामदायक महसूस कर सकती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिख सकती हैं।

हल्के रंगों का करें चयन

गर्मियों में सबसे जरूरी चीज है, हल्के और कूल कलर पहनना। गहरे रंग जैसे काले या गहरे लाल से बचें, क्योंकि ये ज्यादा गर्मी और पसीना बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय, हल्के रंग जैसे व्हाइट, पेस्टल पिंक, येलो और स्काई ब्लू न सिर्फ ठंडक पहुंचाते हैं, बल्कि इन रंगों में हर साल का ट्रेंड भी रहता है। इन रंगों के आउटफिट्स से आप गर्मी में भी आरामदायक और कूल महसूस कर सकती हैं।

हल्के फैब्रिक का चयन करें

गर्मियों में कंफर्टेबल रहने के लिए हल्के फैब्रिक का चुनाव करें, जैसे कॉटन, लिनन, जॉर्जेट या चंदेरी। ये फैब्रिक्स शरीर को सांस लेने का मौका देते हैं और पसीने को सोखने में मदद करते हैं। इससे आपको न तो गर्मी का एहसास होगा और न ही भारी कपड़े पहनने की परेशानी होगी।

फ्लोरल और नेचर प्रिंट्स चुनें

फ्लोरल प्रिंट्स या नेचर प्रिंट्स इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये न सिर्फ आपको ट्रेंडी दिखाते हैं, बल्कि गर्मी में भी आरामदायक महसूस कराते हैं। इस तरह के प्रिंट्स को पहनकर आप शादी या पार्टी में सबसे अलग और स्टाइलिश नजर आ सकती हैं।

मेकअप रखें हल्का और नैचुरल

गर्मियों में मेकअप को हल्का और नैचुरल रखें। भारी मेकअप से बचें क्योंकि गर्मी में यह जल्दी से मेल्ट

हो सकता है। आप हल्के फाउंडेशन, न्यूड लिपस्टिक, मस्कारा और लाइट आईशैडो का इस्तेमाल कर सकती हैं। साथ ही, मेकअप को सेट करने के लिए सेटिंग स्प्रे का उपयोग करें, ताकि मेकअप पूरे दिन टिका रहे और ताजगी बनी रहे।

स्टाइलिश एक्सेसरीज का चयन करें

आपके लुक को कंप्लीट करने के लिए हल्के और ट्रेंडी एक्सेसरीज का चुनाव करें। पेयर ऑफ ईयरिंग्स, पर्ल नेकलेस या सिल्वर ब्रेसलेट जैसे एक्सेसरीज आपकी स्टाइलिशनेस को और बढ़ा सकते हैं। यह छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव आपके लुक को और भी आकर्षक बना सकते हैं।

इन सभी टिप्स को फॉलो करके आप न केवल गर्मियों में कंफर्टेबल रह सकती हैं, बल्कि शादी या पार्टी में सबसे स्टाइलिश और खूबसूरत भी नजर आ सकती हैं। अपनी ड्रेस, मेकअप और एक्सेसरीज का सही चुनाव करें और हर किसी की नजरें आप पर होंगी।

कार और स्कूल वैन के टक्कर,दो बच्चे मामूली रूप से हुए घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा के नजदीक बुधवार की सुबह कार और स्कूल वैन को टक्कर मार दिया।स्कूल वैन में सवार दो बच्चें मामूली रूप से घायल हो गए।संयोगवश बड़ी घटना नही हुई। क्षेत्र के नेवादा स्थित नेचर पब्लिक स्कूल की वैन हौज गांव निवासी रतन सिंह परमार के पुत्र अर्पित सिंह परमार (5) व हर्षिता सिंह परमार (6)को बिठाकर स्कूल जा रही थी।स्कूल वैन हौज तिराहे से हाइवे पर चढ़ चुकी थी।तभी लखनऊ की तरफ से आ रही एक कार वैन से टकरा गयी।टक्कर लगने के बाद चालक भाग गया।वही वैन में सवार दोनो बच्चों को हल्की अंदरूनी चोट आयी।लेकिन दोनो बच्चे काफी डर गये।मौके पर तत्काल लोग पहुंच गए।बच्चों के पिता रतन सिंह उन्हें घर लिवा गए।स्कूल के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र मौर्य ने कहा कि बच्चे दुर्घटना के बाद डर गए थे।उनको मामूली चोट आयी है।कार चालक के विरुद्ध तहरीर दिया जाएगा।

नीट परीक्षा को लेकर जिला अधिकारी ने लिया बैठक 17 केंद्रों पर होगी परीक्षा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 राम अक्षयवर चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नीट परीक्षा 2025 को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु बैठक संपन्न हुई। बैठक में परीक्षा की तैयारी के संदर्भ में विस्तार से चर्चा हुई। जनपद में यह परीक्षा 04 मई 2025 को कुल 17 केंद्रों पर आयोजित कराया जाना प्रस्तावित है, जिसमें कुल 7560 पंजीकृत उम्मीदवार परीक्षा देंगे। परीक्षा प्रारंभ होने का समय अपराह्न 2रू00 बजे और समाप्त होने का समय अपराह्न 5रू00 बजे है। यह परीक्षा एनटीए के द्वारा पूर्व निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराई जाएगी। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र पर क्या क्या लाया जाना है तथा इसके अलावा अन्य सभी निर्देश उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड पर अंकित है। परीक्षा केंद्र पर उम्मीदवारों का प्रवेश समय पूर्वाह्न 11रू30 बजे से अपराह्न 1रू40 बजे है। अपराह्न 1रू40 बजे के बाद प्रवेश निषेध रहेगा। बैठक में जिला सिटी कोऑर्डिनेटर बालकृष्ण प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय मडियाहू व रुचि वर्मा प्राचार्य रिजिवी लर्नर एकेडमी सहित सभी परीक्षा केदो के परीक्षा केंद्र अध्यक्ष सहित अन्य उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव हमेशा बाबा साहेब का अपमान करते रहे हैं : पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए गए पोस्टर में अखिलेश यादव और बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीरों को आधा–आधा काटकर जोड़ा गया इस पर भाजपा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर मे जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे धरना प्रदर्शन कर कड़ा विरोध जताया और आरोप लगाया कि सपा ने इस कृत्य से बाबा साहेब का अपमान किया है विभिन्न घटनाओं का हवाला देते हुए भाजपा ने अखिलेश यादव पर दलित विरोधी रवैये का आरोप लगाते हुये माफी की मांग की है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने समाजवादी लोहिया वाहिनी की बैठक के लिए पोस्टर में अखिलेश यादव और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की तस्वीरों को आधा–आधा काटकर जोड़ा इसे हम बाबा साहेब का अपमान करार देते है और विरोध प्रदर्शन कर हम इसका विरोध कर रहे है और हम बाबा साहेब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगे। उन्होंने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के आधे चित्र के साथ अखिलेश यादव का चित्र लगाकर उन्हें बाबा साहेब के बराबर दिखाया गया है इतना ही नहीं वही चित्र लोहिया वाहिनी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने अखिलेश यादव को भेंट किया है यह बहुत ही शर्मनाक है अखिलेश यादव हमेशा बाबा साहेब का अपमान करते रहे हैं. अपमान की कुछ घटनाओं को आप लोगो को याद करा रहा हू। कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम डॉ भीमराव आंबेडकर मेडिकल कॉलेज था अखिलेश यादव को बाबा साहेब से इतनी नफरत है कि मुख्यमंत्री बनते ही बाबा साहेब का नाम हटा दिया, जिला भीमनगर का नाम बदलकर जिला संभल कर दिया बाबा साहेब का नाम न इन्हें पसंद था और न ही संभल के तत्कालीन समाजवादी पार्टी सांसद शफीकुर्रहमान बर्क को वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण भी तो करना था। जिला रमाबाई नगर का नाम बदलकर कानपुर देहात कर दिया महान दलित संत के नाम पर बने जिला रविदास नगर का नाम बदलकर भदोही कर दिया अखिलेश को दलित संतों से भी नफरत है, दलित महापुरुष के नाम पर बने सहारनपुर मेडिकल कॉलेज का नाम बदलकर शेख–उल–हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज कर दिया ये दलितों को अपमानित करना और मुस्लिम तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने घटना पदर्शन मे आये हुये भाजपाइयों को सम्बोधित करते हुये कहा कि सपा कभी भी दलितों के साथ नही रही उनके मुख्यमंत्री के कार्यकाल मे या इनके पिता मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल मे जितना उत्पीड़न दलितों के ऊपर हुआ उतना कभी नही हुआ और जो ये अपना आधा चेहरा बाबा साहेब के साथ लगाए है तो मै कहना चाहता हू कि सपा मुखिया अखिलेश यादव बाबा साहेब के नाखुन के बराबर नही है उन्होंने अपने कार्यकाल मे लखनऊ के डॉ भीमराव आंबेडकर ग्रीन–गार्डेन का नाम बदलकर इन्होंने जनेश्वर मिश्रा पार्क कर दिया जनेश्वर मिश्र बड़े नेता थे उनके लिए लोहिया पार्क की तरह अलग पार्क बनाया जा सकता था लेकिन अखिलेश यादव को बाबा साहेब का अपमान करना था अखिलेश यादव ने वही किया जैसे उनके आयडियल मुगल बादशाह करते थे मंदिर तोड़कर, वहीं मस्जिद बना देना।

विधायक निधि से बन रहे खड़ंजे को दबंगों ने उखाड़ा,ग्राम प्रधान को मार पीट कर किया घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विधायक निधि से बनाए गए सड़क मार्ग को कुछ लोगों ने रातों–रात उखाड़ दिया। मामला इंदरिया गांव का है। ग्राम प्रधान अरुण कुमार ने थाना लाइन बाजार में एफआईआर दर्ज कराई है। बुधवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचे ग्राम प्रधान ने बताया कि सपा विधायक लकी यादव विधायक निधि से गांव में हल्का लेखपाल के सीमांकन के बाद कमलेश पांडे के चक से रामकुमार के चक तक खड़ंजा बिछाया गया था। इस काम को पूरा होने में 15 दिन लगे थे।27 अप्रैल 2025 की रात को चकधूस गांव के लालचंद यादव, गहोश गांव के प्रवेशचंद और कोमल यादव तथा अहिरौली के प्रद्युम्न यादव ने कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर खड़ंजे को उखाड़ दिया। आरोप है कि इन लोगों ने मिट्टी को काटकर अपने खेतों में मिला लिया। सुबह जब ग्राम प्रधान को इसकी जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने क्षतिग्रस्त मार्ग का वीडियो बनाना शुरू किया। इस पर आरोपी भड़क गए और गाली–गलौज करने लगे। आरोपियों ने उनके घर में घुसकर उन्हें और उनकी पत्नी को मारा–पीटा। उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सभी आरोपी अलग–अलग गांवों के रहने वाले हैं।

संक्षिप्त समाचार

21 जिलों में आज बारिश का अलर्ट, 50 किमी की रफ्तार से चलने वाली हवाएं गिराएंगी पारा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बदले हुए मौसम के बीच गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर जैसे कुछ पूर्वी और तराई इलाकों में सोमवार को गरज चमक संग बूंदाबांदी हुई। इस दौरान कहीं कहीं 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं संग ओले पड़ने की भी सूचना मिली। पुरवाई और बादलों की मौजूदगी से इन इलाकों में दिन के तापमान में गिरावट आने से लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए यूपी के पूर्वी–तराई इलाकों के 21 जिलों में गरज–चमक संग बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इस दौरान यहां 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने का अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि बूंदाबांदी और पारा गिरने से उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिन लू के थपेड़ों से राहत रहेगी। सोमवार को जहां पूर्वी और तराई इलाकों में मौसम सुहाना रहा, वहीं बुंदेलखंड, पश्चिमी यूपी और दिल्ली एनसीआर से सटे जिलों में गर्मी बरकरार रही। सोमवार को झांसी, आगरा आदि में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण के असर से मौसम में बदलाव आया है। सोमवार को प्रदेश के पूर्वी और तराई इलाकों में तेज हवाओं और गरज–चमक संग बूंदाबांदी की संभावना है।

150 सीसीटीवी कैमरे खंगाले, पर बच्ची का नहीं चल सका पता

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट में शनिवार को घर के बाहर खेलते हुए संदिग्ध हालात में लापता हुई साढ़े चार साल की बच्ची का पुलिस कुछ पता नहीं लगा सकी है। वहीं, पुलिस ने घर व मोहल्ले में लगे डेढ़ सौ सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। फुटेज में बच्ची अकेली ही जाती दिखी है। बच्ची के पिता मजदूर करते हैं। उन्होंने रविवार को शाम को चिनहट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी भरत पाठक के मुताबिक मामला दर्ज कर बच्ची की तलाश में पांच टीमें गठित की गई थीं। घर के पास लगे दो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी गई थी। दोनों फुटेज में बच्ची अकेले ही जाती दिखी थी। सोमवार को कुछ संदिग्धों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। पर अभी तक कुछ अहम बात सामने नहीं आ रही है। जल्द ही पुलिस की टीमें बच्ची को खोज निकालेंगी।

गड्ढे में डूबे दो भाइयों का शव लेकर पैतृक गांव रवाना हुए परिजन

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाके के मोहम्मदपुर गढ़ी स्थित ईंट भट्ठा पर पानी से भरे गड्ढे में डूबे दो भाइयों रवि (8) व सोहित (6) के शव का सोमवार को पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन पैतृक गांव सीतापुर जिले के हरगांव स्थित शेखपुर के मजरा खानपुर चले गए। शाम को परिजनों ने गांव में ही अंतिम संस्कार कर दिया। सीतापुर निवासी मजदूर दीपक रविवार को पत्नी जूली के साथ मोहम्मदपुर गढ़ी स्थित कंचन ब्रिक फील्ड पर ईंट पथाई कर रहे थे। साथ में उनकी चार वर्षीय बेटी गुड़िया भी थी।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष व कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि बड़े दुख के साथ जनपद के समस्त पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों को अवगत कराना है कि हमारे बीच से एक वरिष्ठ योद्धा सूबेदार छत्रपाल सिंह जो की 19 राजपूत रेजीमेंट से सेवानिवृत्ति हुए थे एवं

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद बांदा इकाई मे वर्ष 2005 से उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए कुशल नेतृत्व किया जिनका लम्बी बीमारी के बाद कल आकस्मिक देहावसान हो गया था। स्वर्गीय छत्रपाल साहब का राजकीय सम्मान के साथ आज दिनांक 30 अप्रैल 2025 को उनके निज ग्राम अजीतपारा(बेलगांव)में प्रात 10रू00 बजे किया गया। अवसर पर सैकड़ों की सैनिकों की संख्या में जनपद के पूर्व सैनिकों, पुलिस बल के सदस्यों तथा हजारों ग्रामीणों ने मिलकर अपने महान योद्धा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बालाजी डिजिटल द्वारा निर्मित, एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा प्रस्तुत तथा साहिर रजा के निर्देशन में बनी 'कुल' 2 मई से सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

मुंबई। इस गर्मी, तैयार हो जाइए एक ऐसी दुनिया में कदम रखने के लिए, जहां वफादारी कभी भी टूट सकती है, रहस्य्य गहरे दफन हैं और ताकत की होड़ में खून के रिश्तों की भी कोई कीमत नहीं रह जाती। 2 मई, 2025 से सिर्फ जियोहॉटस्ट्टार पर स्ट्रीम होने जा रही 'कुल' एक ऐसी कहानी है, जो आपको अपनी गिरफ्त में ले लेगी। राजसी बीकानेर की रहस्यमयी और भयावह पृष्ठ्भूमि पर आधारित 'कुल' एक बिखरे हुए शाही परिवार की जटिल दास्तान है। जब परिवार के मुखिया चंद्रप्रताप की उनके 60वें जन्म्मदिन पर रहस्यमय मौत हो जाती है, तो महल साजिशों, धोखेबाजी और लंबे समय से दफन राजों का अड्डा बन जाता है। साहिर रजा के निर्देशन में बनी इस सीरीज में निम्रत कौर, रिद्धि डोगरा और अमोल पाराशर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभा रहीं निम्रत कौर ने कहा, ''इंद्राणी शांत पानी के नीचे छिपे तूफान जैसी है कृ परतदार, वफादार और भीतर से बेहद मजबूत। 'कुल' ने मुझे एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका दिया है जिसकी ताकत उसकी चुप्पी में झलकती है और जिसकी वफादारी में गहरी आग है। यह कहानी बिना किसी हिचक के आगे बढ़ती है और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। 'कुल' सिनेमा के जरिये बेहतरीन कहानी कहने का उदाहरण है और जियोहॉटस्टार पर इसका प्रसारण इसे सही मंच देता है।'' काव्य्या रायसिंह की भूमिका निभाने वाली रिद्धि डोगरा ने कहा, ''काव्या एक ढहती विरासत का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए है। वह महत्वाकांक्षी और उत्साही है, लेकिन भीतर से बेहद डरी हुई।

श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर विधि विधान से स्थापित हुआ ध्वज दंड, 42 फीट है ऊंचाई

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या के लिए मंगलवार का दिन काफी अहम रहा। आज राम मंदिर के इतिहास में एक और नया अध्याय जुड़ गया। वैशाख शुक्ल की द्वितीया के दिन प्रातः 8.00 बजे दंड स्थापित कर दिया गया। यह प्रक्रिया सुबह 6:30 बजे शुरू हुई और 8:00 बजे समाप्त हुई। ध्वज दंड को लगभग डेढ़ घंटे में मुख्य शिखर पर स्थापित कर दिया गया। इसकी ऊंचाई 42 फीट है। विदित कि हिंदी महीने के अनुरूप वैशाख शुक्ल द्वितीया परशुराम जयंती दिन मंगलवार 29 अप्रैल 2025 को राम मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वज दंड स्थापित कर दिया गया। ध्वज दंड लगाने की प्रक्रिया प्रातः 6रू30 बजे प्रारंभ हुई और 8रू00 बजे संपन्न हुई। इस मौके पर लार्सन एंड टुब्रो व टाटा कंसल्टेंसी के इंजीनियर के साथ ध्वज दंड निर्माता गुजरात निवासी भरत भाई, पत्थरों की नक्काशी करने वाले ठेकेदार नरेश मालवीय, पत्थरों के कार्य का सुपरविजन करने वाले चंद्रशेखर सोमपुरा के साथ एक बड़ी टीम मौजूद रही। 160 फीट की ऊंचाई पर शिखर के पास लार्सन एंड टुब्रो व टाटा कंसलटेंसी के इंजीनियर ऊपर चढ़कर मौजूद रहे। दो क्रेन की सहायता से ध्वज दंड को ट्राला के ऊपर से उठाया गया। धीरे–धीरे वर्टिकल खड़ा हुआ। इसके बाद टावर क्रेन के माध्यम से ध्वज दंड को शिखर पर स्थापित कर दिया गया।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर विधि विधान पूर्वक ध्वज दंड स्थापित कर दिया गया। भगवान परशुराम की जयंती के दिन राम मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वज हो कि शिखर कलश समेत मंदिर की ऊंचाई 161 फीट है। अब इसमें 42 फीट का ध्वज दंड भी जुड़ गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया

मायावती ने आकाश आनंद के पक्ष में दिया संदेश, कहा– उनका हौंसला बढ़ाएं और जी–जान से काम में जुट जाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संदेश दिया है कि जिन नेताओं को पहले पार्टी से निकाला गया और फिर पार्टी हित में वापस लिया गया है कार्यकर्ता उन्हें पूरा सम्मान दें। उन्होंने बसपा नेता आकाश आनंद का भी हौंसला बढ़ाने का निर्देश दिया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि विदित है कि बसपा से जुडेध कुछ लोग अपनी नासमझी, जोश व लापरवाही या विरोधी पार्टियों के षड्यन्त्र के बहकावे में आकर काफी गलती कर बैठते हैं जिन्हें फिर पार्टी हित में सुधारने के लिए पार्टी की जिम्मेवारी से अलग करना व गंभीर मामलों में निकालना भी पड़ता है तथा उनमें से कुछ में परिवर्तन आने व माफी मांगने के बाद फिर पार्टी व मूवमेन्ट के हित में लेना भी पड़ता है और जबसे पार्टी बनी है तो ऐसा किया जाता रहा है जिन्हें पार्टी से कई–कई बार निकाला भी है और उन्हें वापस भी लिया है। ऐसा अन्य पार्टियों में भी होता है। किन्तु आकाश आनन्द के मामले में खासकर बहुजन समाज के कुछ स्वार्थी व बिकाऊ लोग, जिन्होंने पार्टी के वोटों को बांटने व कमजोर करने के लिए अपनी अनेकों पार्टी व संगठन आदि बनाये हुये हैं वे इस बात का मीडिया में आए दिन काफी गलत प्रचार करते रहते हैं। ऐसे अवसरवादी व स्वार्थी तत्वों से पार्टी के लोग सतर्क रहें तथा आकाश आनन्द का अब हौंसला भी जरूर बढाएं ताकि वह पार्टी के कार्यों में पूरे जी–जान से जुट जाएं। इसी प्रकार, पार्टी में अन्य जो भी लोग वापस लिए गए हैं उन्हें भी पूरा आदर–सम्मान दिया जाए, जो पार्टी हित में है।

लिफ्ट देकर महिला से दुष्कर्म का प्रयास, कार से कूदकर बचाई जान कैब चालक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रास्ता पूछने के बहाने कैब चालक ने कार रोकी। इसके बाद लिफ्ट देने के बहाने महिला को बैठा लिया। रास्के में उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की।

महिला ने किसी तरह कार से कूदकर अपनी जान बचाई। आरोपी कैब चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। राजधानी लखनऊ में मलिहाबाद इलाके में ई–ऑटो चालक द्वारा महिला से दुष्कर्म और हत्या का मामला अभी लोग भूल भी नहीं पाए हैं, एक और कैब चालक की करतूत ने चौंकाया है। पीजीआई इलाके में एक कैब चालक ने महिला को लिफ्ट दिया और फिर कार में दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता ने किसी तरह खुद को बचाया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी कैब चालक अनुपम तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है।

नगराम इलाके में रहने वाली महिला पीजीआई क्षेत्र के एक अपार्टमेंट में काम करती हैं। महिला के मुताबिक शनिवार को शाम साढ़े चार बजे वह काम खत्म कर घर वापस जा रही थी। सरथुआ के पास पहुंचने पर पीछे से एक कार उनके पास आकर रुकी। कार चालक ने उनके खुजौली जाने का रास्ता पूछा। महिला ने रास्ता बता दिया। चालक ने रास्ते की जानकारी नहीं होने की बात कही और कुछ देर तक बातें करता रहा। झांसे में लेकर चालक ने महिला को उसके गंतव्य तक छोड़ने की बात कही और कार में बैठा लिया। महिला का आरोप है कि कुछ दूर आगे जाने के बाद चालक उनसे छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने कार की रफ्तार बढ़ा दी और कार से धक्का देने की धमकी देने लगा। डर के मारे महिला काफी देर तक सहती रही। आगे आरोपी ने बरकत नगर के पास कार रोकी। मौका पाकर महिला ने दरवाजा खोला और कार से बाहर कूद गई और शोर मचाने लगी।

लोग मदद के लिए आगे बढ़े तो कैब चालक भाग निकला। पीड़िता ने घर जाकर परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद रविवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि कार नंबर के आधार पर आरोपी खुजौली निवासी अनुपम तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। नए कानून के तहत आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज की गई है।

फाइब्रोमायल्जिया पीड़ित महिलाओं के लिए औषधि है कथक, असिस्टेंट प्रोफेसर के शोध में चला पता

लखनऊ, (संवाददाता)। यदि किसी महिला को शरीर में अक्सर दर्द, थकान, चिड़चिड़ापन और अनिद्रा रहती है तो उसे फाइब्रोमायल्जिया नामक बीमारी भी हो सकती है। इस बीमारी का अभी तक कोई सटीक उपचार नहीं खोजा जा सका है, लेकिन इसका इलाज कथक नृत्य से संभव हो सकता है। इस बीमारी में कथक नृत्य औषधि का काम करता है। यह मानना है कथक नृत्यांगना व भातखंडे संस्कृति विवि की असिस्टेंट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. रुचि खरे का। उन्होंने नृत्य से उपचार विषय पर शोध किया है। अब यह शोध एक पुस्तक के रूप में सामने आया है। इसी विषय पर उनकी पुस्तक 'थेरेपेयुटिक मैजिक ऑफ कथक' का विमोचन नृत्य दिवस पर मंगलवार को होगा। डॉ. रुचि खरे ने बताया कि जब वे महज नौ साल की थीं तो उनकी मां सुमनलता खरे ने उन्हें कथक सीखाना शुरू किया। उनकी मां खुद एक कथक नृत्यांगना रहीं, जिन्होंने भातखंडे से ही विशारद किया था। पिता मेजर वीके खरे आईआईटी रुड़की से पासआउट थे। सेना में रहने के बाद अब समाजसेवा के लिए एक वृद्धाश्रम का संचालन करते हैं। डॉ. रुचि बताती हैं कि बचपन से ही मैंने महसूस किया कि जब से कथक सीखना शुरू किया, व्यक्तित्व में निखार आने लगा। शारीरिक और मानसिक रूप से मैं मजबूत होती गई। इसका असर पढ़ाई में भी देखने को मिला। 1999 में लखनऊ विवि से सांख्यिकीय में मुझे चांसलर मेडल भी मिला। डॉ. रुचि के अनुसार नृत्य के सकारात्मक प्रभाव को लेकर मैंने शोध करने की ठानी। मैंने अपने शोध का विषय रखा 'एक उपचार चिकित्सा के रूप में कथक का दायरा (एक्यूप्रेशर पर विशेष ध्यान के साथ)'। मैंने अपनी गुरु प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना डॉ. पूर्णिमा पांडेय, केजीएमयू विभाग में गठिया रोग विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ कुमार दास और एक्यूप्रेशर थेरेपिस्ट डॉ. नरेंद्र देव के मार्गदर्शन में शोध कार्य पूरा किया। डॉ. रुचि बताती हैं कि फाइब्रोमायल्जिया से पीड़ित 60 मरीजों को शोध के लिए चयनित किया और उन पर कथक के प्रभाव का अध्ययन किया। इनमें से 30 मरीजों को केवल दवा पर और बाकी 30 मरीजों को दवा के साथ कथक थेरेपी दी गई। शरीर के 18 प्वॉइंट्स पर इसका प्रभाव देखा गया, जो शरीर के पिछले हिस्से में 10 और आगे के हिस्से में 8 जगह थे। शोध में यह पाया गया कि जिन मरीजों को दवा के साथ ही कथक थेरेपी दी गई, उनके ठीक होने की रफ्तार बाकी मरीजों की तुलना में लगभग दोगुनी रही। फाइब्रोमायल्जिया एक ऐसी स्थिति है जो पूरे शरीर में व्यापक दर्द, थकान और अनिद्रा की समस्या का कारण बनती है। आमतौर पर मांसपेशियों और संयोजी ऊतकों में दर्द रहता है। सिरदर्द, अवसाद, चिंता और चिड़चिड़ापन रहता है। इस बीमारी के सटीक कारण अभी ज्ञात नहीं हैं और न ही कोई निश्चित उपाय ही खोजा जा सका है। दर्द निवारक दवाएं कुछ समय के लिए ही आराम दे सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, तनाव, चोट या आनुवंशिकता भी इसके कारण हो सकते हैं।

एस.के.डी. एकेडमी के छात्रों ने एक बार फिर आई.सी.एस.ई. एवं आई. एस.सी. परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस.के.डी. एकेडमी के छात्रों ने एक बार फिर आई.सी.एस.ई. एवं आई.एस.सी. परीक्षा 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को कायम रखा है। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी आई.सी.एस.ई. एवं आई.एस.सी.परीक्षाओं का परिणाम 100: रहा। आई.एस.सी. परीक्षा में श्रुति अस्थाना (पी.सी.बी.) ने 97.50: अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुनीत (पी.सी.एम.) ने 97.25: अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और साथ ही जेईई मेन्स परीक्षा में भी सफलता प्राप्त की। आई.सी.एस.ई. परीक्षा में अभिनव वैश ने 96.4: अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। नियति गुप्ता ने 95.4: अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन होनहार छात्रों को जुलाई माह में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर, अपने माता–पिता, प्रधानाचार्या, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को दिया। छात्रों ने शिक्षकों द्वारा प्रदान किए गए नोट्स, असाइनमेंट्स, टेस्ट सीरीज आदि को अपनी सफलता में अत्यंत सहायक बताया। एस.के.डी. एकेडमी के निदेशक मनीष सिंह ने उत्कृष्ट परिणाम के लिए छात्रों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि ये छात्र भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर देश की सेवा करेंगे। उन्होंने आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय प्रबंधन कृ अध्यक्ष एस. के.डी. सिंह, निदेशक मनीष सिंह, उप–निदेशिका निशा सिंह, सहायक निदेशिका (शैक्षणिक) कुसुम बत्रा, सहायक निदेशक (प्रशासन) डी.के. सिंह एवं प्रधानाचार्या अंजू सिंह कृ सभी ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेनहाइजर ने प्रीमियम ऑडियो गियर पर 58 प्रतिशत तक की छूट की घोषणा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेनहाइजर, ऑडियो इनोवेशन में ग्लोबल पायोनियर ब्रांड इस सीजन में अमेजन की समर सेल 2025 के दौरान बेहतरीन डील्स के साथ ग्राहकों को अच्छी खासी बचत का मौका दे रही है 1 मई से शुरू होने वाले इस सेल में ग्राहक सेनहाइजर के टॉप–रेटेड प्रोडक्ट्स, जैसे हेडफोन्स, माइक्रोफोन्स और कई अन्य एसेसरीज आदि पर 58प्रतिशत तक की अच्छी खासी छूट और बचत का आनंद ले सकते हैं। भारी छूट के अलावा, ग्राहक 24 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं और चुनिंदा बैंक कार्ड ऑफर के साथ एडीशनल बचत का आनंद भी ले सकते हैं। प्रोफाइल स्ट्रीमिंग सेट (बूम आर्म के साथ) यूएसबी माइक्रोफोन, ई–945 माइक्रोफोन, एचडी–25 प्लस हेडफोन, मोमेंटम 4 (कॉपर) हेडफोन्स, एसेंटम प्लस हेडफोन्स और मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4 जैसे उत्पादों के साथ शानदार साउंड की दुनिया का आनंद लें। साथ में बेहद किफायती कीमतों पर खरीद कर अच्छी खासी बचत भी करें। यहां देखें की क्या ऑफर किया जा रहा है: सेनहाइजर प्रोफाइल स्ट्रीमिंग सेट (बूम आर्म के साथ) यूएसबी माइक्रोफोन रू पॉडकास्टर्स और स्ट्रीमर्स के लिए तैयार, प्रोफाइल यूएसबी माइक्रोफोन बेहतरीन ऑडियो क्वालिटी को आसान यूजेज के साथ जोड़ता है। गेन, मिक्स और वॉल्यूम कंट्रोल जैसे फीचर्स साथ, यह टेबल स्टैंड या बूम आर्म जैसे फ्लेक्सिबल माउंटिंग ऑप्शंस के साथ किसी भी सेटअप के लिए पूरी तरह से अनुकूल है। यूएसबी–सी द्वारा ऑपरेटेड, ये प्रोफेशनल–क्वालिटी वाली स्ट्रीमिंग के लिए आइडियल कम्पेनियन हैं। समर सेल प्राइसः 9,790 मोमेंटम 4 (कॉपर) हेडफोन्स रू अवॉर्ड विजेता मोमेंटम 4 के साथ बेमिसाल साउंड क्वालिटी का अनुभव करें। स्टाइलिश कॉपर फिनिश के साथ डिजाइन किए गए, इन हेडफोन्स में अडैप्टिव नॉइज कैंसिलेशन, 60 घंटे तक की बैटरी लाइफ और एक इमर्सिव साउंडस्टेज है, जो उन्हें फोर्ब्स द्वारा मान्यता प्राप्त आपका आइडियल ट्रेवल पार्टनर बनाता है। समर सेल प्राइसः 18,900 सेनहाइजर एचडी 25 प्लस ऑन–ईयर मॉनिटरिंग हेडफोन्स रू डीजे, कैमरामैन और ऑडियो प्रोफेशनल्स के लिए एक शानदार विकल्प, एचडी 25 प्लस बेहतरीन साउंड क्वालिटी, हाई नॉइज आइसोलेशन और बहुत ज़्यादा साउंड प्रेशर लेवल को संभालने की क्षमता प्रदान करता है। सिंगल–ईयर लिसनिंग के लिए रोटेटेबल ईयर कप, टिकाऊ कंस्ट्रक्शन और कॉइल्ड और स्ट्रेट केबल्स प्लस वेलोर ईयरपैड जैसी एडीशनल एक्सेसरीज के साथ, यह काफी बेहतरीन परफॉर्मेंस की डिमांड करने वाले यूजर्स के लिए बनाया गया है। समर सेल प्राइसः 13,490

स्कॉलर्स होम के बच्चों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर स्थित स्कॉलर्स होम विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आई.सी.एस.ई. तथा आई.एस.सी. 2025 के बोर्ड परीक्षा – परिणाम की मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज कराकर एक बार फिर अपना परचम लहरा दिया। स्कॉलर्स होम विद्यालय में कक्षा 10 व 12वीं का परिणाम शत प्रतिशत रहा। दोनों में ही 75: बच्चों ने 80: से अधिक अंक प्राप्त किया तथा 95: से ज्यादा बच्चों ने 70: से अधिक अंक प्राप्त किया है। कक्षा 12वीं की परीक्षा में 97.25 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभय ए नायक कहते हैं कि शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं नियमित अभ्यास से ही उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।

कक्षा 10वीं की परीक्षा में 97.40: अंक प्राप्त करने वाले उत्कर्ष प्रजापति कहते हैं कि पढ़ाई के साथ विद्यालय द्वारा लिए जाने वाले रिवीजन टेस्ट से उन्हें बहुत फायदा मिला। इसी क्रम में कक्षा 12 में 94.25 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली दीपशिखा और प्रियांशु प्रजापति अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता एवं अध्यापकों की कुशल शिक्षण तकनीक को देते हैं। इसी तरह प्रकर्ष श्रीवास्तव 93: भाव्यांश निगम 92: अंशिका व्यास 90.50: साखी सिंह 90.25: और अनु यादव ने 90: अंक प्राप्त कर विद्यालय के अन्य छात्र–छात्राओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने। कक्षा 10वीं की परीक्षा में 94.40: अंक प्राप्त करने वाले तुषार कुमार और शौर्य प्रताप सिंह का मानना है कि नियमित पढ़ाई से ही उन्होंने यह स्थान हासिल किया है। फरीन फरहान वस्ती 94:, आदित्य प्रताप सिंह 92.40:, प्रकृति तिवारी ने 92.20: अंक प्राप्त करके स्कॉलर्स होम विद्यालय एवं अपने माता–पिता का मान बढ़ाया। विद्यालय की डायरेक्टर सरिता जायसवाल और प्रिंसिपल अनुपम सिंह ने सभी विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर उन्हें फूल–माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया एवं उनके अच्छे परिणाम के लिए शुभकामनाएं दी।

फिल्म भूल चूक माफ के प्रमोशन के लिए राजकुमार राव और वामिका गब्बी पहुँचे लखनऊ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज के सिनेमा प्रेमियों को ऐसी फिल्में पसंद आती हैं, जो न सिर्फ उनका मनोरंजन करें, बल्कि दिल और दिमाग पर भी अलग छाप छोड़ जाएँ। सिनेमा प्रेमियों की इस पसंद को ध्यान में रखते हुए, मैडॉक फिल्म प्रस्तुत कर रही है बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक टाइम–लूप फिल्म श्भूल चूक माफश्, जो शुरू से लेकर आखिरी तक, और यहाँ तक कि थिएटर के बाहर भी दर्शकों को अपने साथ जोड़े रखने का वादा करती है। समय और स्थान की सीमाओं से परे इस कहानी के प्रमोशन के सिलसिले में फिल्म के मुख्य कलाकार राजकुमार राव और वामिका गब्बी नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे। लखनऊ के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों पर घूमते हुए, इन दोनों ने दर्शकों से खास मुलाकातें की और फिल्म को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने अपनी यात्रा की शुरुआत गोयनका कॉलेज से की, जहाँ उन्होंने छात्रों से मुलाकात की। फिर एक ब्रांडेड ऑटो में बैठकर दोनों हयात होटल पहुँचे और प्रेस वार्ता की। इस दौरान, उन्होंने मीडिया से बातचीत की और उनके सवालों के जवाब दिए। फिर चाट किंग में लखनऊ की प्रसिद्ध चाट का आनंद लिया । इसके बाद,स्थानीय बाजार से चिकनकारी वाले कपड़ों की खरीदारी की और शाम को घंटी वाला मंदिर में जाकर लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहर का अनुभव किया। राजकुमार राव ने कहा, श्लखनऊ की ऐतिहासिक ध रोहर और यहाँ के लोग फिल्म की टाइम–लूप कहानी को और भी आकर्षक बना रहे थे। यहाँ के दृश्य और संस्कृति ने फिल्म के माहौल को पूरी तरह से जीवंत कर दिया। यह यात्रा मेरे लिए बहुत ही यादगार रही। वामिका गब्बी ने कहा, श्लखनऊ की संस्कृति और यहाँ के ऐतिहासिक स्थल ने मुझे बहुत आकर्षित किया। इस शहर के हर कोने में एक कहानी छिपी हुई है और श्भूल चूक माफश् के प्रमोशन के दौरान मुझे यहाँ की आत्मा से जुड़ने का शानदार मौका मिला। यह अनुभव मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। फिल्म श्भूल चूक माफश् एक रोमांटिक टाइम–लूप फिल्म है, जिसमें राजकुमार राव और वामिका गब्बी के पात्र अपनी शादी के दिन समय के एक अजीब लूप में फँस जाते हैं। यह फिल्म दर्शकों को समय के खेल और रिश्तों की गहराई को खूबसूरती से समझाने का प्रयास करती है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है और संगीत रचना ए.आर. रहमान ने की है। फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सपा के पोस्टर से हुए बाबा साहब के अपमान पर भाजपा का विरोध प्रदर्शन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

समाजवादी पार्टी द्वारा जारी किए डॉ भीमराव अंबेडकर और अखिलेश यादव के पोस्टर पर देश भर में भाजपा ने प्रतिकार कर लगाया आंबेडकर के अपमान का आरोप। नगर के अंबेडकर पार्क पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव को भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की बराबरी में दिखाने पर इसे अपमान करार देते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने सर्वप्रथम बाबा साहब की मूर्ति पर मार्ल्यापण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सपा ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र से आधा चेहरा काटकर उसमें अखिलेश यादव का आधा चेहरा जोड़कर उनका अपमान किया है। भाजपा का एक भी कार्यकर्ता बाबा साहेब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कहा, समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के आधे चित्र के साथ

अखिलेश यादव का चित्र लगाकर उन्हें बाबा साहब जैसे महान व्यक्तित्व के बराबर दिखाया गया है। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया है।कहा कि कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम डॉ भीमराव आंबेडकर मेडिकल कॉलेज था। अखिलेश यादव को बाबा साहेब से इतनी नफरत है कि मुख्यमंत्री बनते ही बाबा साहेब का नाम हटा दिया। दलित और शोषित समाज के प्रति उनका प्यार सिर्फ वोट पाने तक सीमित है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा जिला उपाध्यक्ष एसपी मौर्य प्रीतेश दीक्षित संदीप सिंह संजय सिंह जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, सत्येंद्र कुमार सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष डॉ अनुज गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया सत्यम शुक्ला आईटी प्रमुख सौरभ सिंह सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न आनंद मिश्र माधवगंज नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्रा गोपामऊ वली मोहम्मद , भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, आजाद सिंह, मण्डल अध्यक्ष देवराज सिंह,शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक अनुराग मिश्र, नीरज अवस्थी, पारिषा तिवारी आदि मौजूद रहे।

सेवा निवृत हुए पुलिस कर्मियों को एसएसपी ने भेट किया स्मृति चिन्ह

अयोध्या। पुलिस विभाग से दो निरीक्षक सहित तीन कर्मचारी बुधवार को सेवा निवृत हुए।सेवा निवृत हुए सभी पुलिस कर्मियों का सम्मान समारोह का आयोजन एसएसपी कार्यालय में हुआ। इस मौके पर सेवानिवृत होने वाले पुलिस कर्मियों में निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, लेखा विभाग में निरीक्षक महेश कुमार सिंह तथा अग्निशमन विभाग से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रामू

यादव को एसएसपी राज करन नैय्यर ने स्मृति चिन्ह तथा शाल भेंट किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप सभी ने पुलिस विभाग को जितना योगदान दिया है इसकी जितनी तारीफ की जाए वह कम है।उन्होंने उनके उत्तम स्वास्थ, सुखमय जीवन तथा दीर्घायु होने की कामना किया।इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर योगेन्द्र कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी महेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कोतवाली नगर पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने नाबालिक बालिका को बहला फुसला कर भागने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया पीडित ने इस संबंध में कोतवाली नगर में मुकदमा पंजीकृत कराया था।बताया कि इस मामले में वांछित आरोपी रितेश कुमार पुत्र नवरत्न निवासी मोहल्ला बछड़ा सुल्तानपुर बड़ी देवकाली थाना कोतवाली नगर को साईदाता कुटिया ओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया।गिरफ्तारी करने वाली टीम मे व0उ0नि0 प्रदीप कुमार यादव थाना कोतवाली नगर,हे0कां0 विशाल कुमार थाना कोतवाली नगर व कां0 मोहित कुमार शामिल रहे।

भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद (CISCE) ने घोषित किए ICSE और ISC बोर्ड परीक्षा परिणाम 2025

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीआईएससीई ने आज सुबह 11 बजे कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। जिसमें लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल फरिदीपुर में कक्षा 10वीं (ICSE) में दिव्यांशी 86%, रितेश 80%, मोहम्मद मुस्तफा 79%, श्रेयांश श्रीवास्तव 79%, अदिती गौतम 79% . बुशरा 79%, शिवम पाल 76%, आर्यन राजपूत 73%, हर्ष प्रजापति 73%, कृष्णा दविवेदी 68%तथा कक्षा 12वीं (ISC) दिव्यांश श्रीवास्तव 94:, संचिता शुक्ला 90:, श्रवण कुमार 88%, विनीत चौहान 87%, रोहित कुमार 87%, रिया 85:, निधी यादव 82%, रिया सिंह 80%, अंशू चौरसिया 79%, हर्षित वर्मा 78: अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय व माता पिता का नाम रोशन किया इस अवसर पर प्रबंधक अवधेश सिंह, निर्देशक अमित सिंह व प्रधानाचार्य गुन्जन खत्री ने मेधावी छात्रों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एक माह बीत जाने के बावजूद भी नगर पुलिस नहीं सुलझा सकी मौत की गुत्थी

अयोध्या। जिले के किसी भी थाना क्षेत्र में यदि कोई अप्रिय घटना घट रही है तो शायद ही कुछ घटनाओं का खुलासा आनंद आनंद में जिला की पुलिस कर रही है लेकिन कई ऐसी घटनाये घटित हुई है जिसके संबंध में अगर पुलिस से पूछा जाए तो एक ही सवाल लता हटाया आता है कि उक्त प्रकरण मे पुलिस द्वारा विवेचना जारी है। इसी तरह का एक उदाहरण 1 अप्रैल को कोतवाली नगर के फतेहगंज चौकी क्षेत्र में हुई दुर्गेश गुप्ता की हत्या से जुड़ा हुआ है। एक माह होने के बावजूद पुलिस यही कह रही है अभी विवेचना जारी है जबकि घटना को पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे को तो छोड़िए मृतक के कमरे में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच भी करना पुलिस मुनासिब नहीं समझा।मालूम हो कि कोतवाली नगर क्षेत्र के फतेहगंज निवासी दिव्यांग दीपाली न्याय पाने के लिए चौकी से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक 1 महीने से चक्कर लगा रही है।परंतु उसे आज तक न्याय नहीं मिला।इस संबंध में पीड़िता ने बताया कि चौकी फतेहगंज,कोतवाली नगर, सीओ सिटी,पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय के साथ–साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से अभी तक कोई संतोष जनक उत्तर नहीं मिला है।इस संबंध में दीपाली गुप्ता ने बताया कि उसके भाई दुर्गेश गुप्ता की मौत 1अप्रैल को जहर खाने चलते हो गई थी। उसका मानना है कि उसका भाई खुद जहर नहीं खाया है बल्कि उसे जहर खिलाया गया है।जिसकी

पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उसने बताया निष्पक्ष जांच कारने के लिए उसने फतेहगंज चौकी,कोतवाली नगर सीओ सिटी एसपी सिटी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 4 अप्रैल को प्रार्थना पत्र दिया था।पीड़िता के मुताबिक अभी तक इस मामले में कोई कार्यवाही तो छोड़िए पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे तक की जांच नहीं करना मुनासिब समझा।दिव्यांग दीपाली ने बताया वह अपने बड़े भाई के साथ कई बार चौकी थाना व पुलिस अधिकारियों का दरवाजा खटखटाया लेकिन असफलता ही हाथ लगी। उसे पीड़िता ने बताया अगर उसकी सुनवाई एक–दो दिन में नहीं होता है तो वह पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के अलावा मुख्यमंत्री पोर्टल भी इसकी शिकायत करेगी।इस घटना मे उसका कहना है कि उसका भाई जहां नहीं खा सकता है बल्कि कुछ लोगों ने जबरन खिलाया है। बताया कि जिसकी जांच करना पुलिस मुनासिब नहीं समझ रही है। इस संबंध में सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया मामला उनके संज्ञान में है।इस प्रकार में जांच की जा रही है जांच करने के बाद इसमें जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक अध्ययन करेगा पूर्वांचल विश्वविद्यालय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय शोध समिति का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषित कर उसे जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करना है। भारत का इतिहास वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, नाट्यशास्त्र, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र, और दर्शन जैसे ज्ञान के विविध क्षेत्रों से समृद्ध रहा है। यह परंपराएं न केवल आध्यात्मिकता की प्रतीक रही हैं, बल्कि इनके पीछे वैज्ञानिक तर्क, अनुभव और प्रयोग आधारित आधार भी मौजूद हैं। किंतु आधुनिक काल में इन विषयों को प्रायः केवल आस्था या पौराणिक संदर्भों से जोड़कर देखा गया, जिससे इनकी वैज्ञानिकता

जनसामान्य की दृष्टि से ओझल हो गई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि "भारतीय ज्ञान परंपरा सिर्फ संस्कृति का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का वैज्ञानिक मार्गदर्शन भी करती है। हमारा प्रयास है कि हम इन परंपराओं की वैज्ञानिक बुनियाद को पुनः खोजें, उसका विश्लेषण करें, और शोध आधारित प्रमाणों के साथ उसे शैक्षणिक व सामाजिक पटल पर प्रस्तुत करें।" इस नवगठित समिति में विविध विषयों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, जिसमें प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रताप मिश्रा डॉ. धीरेंद्र चौधरी और डॉ. पवन कुमार पाण्डेय हैं। समिति की अध्यक्ष कुलपति प्रो. वंदना सिंह है जिससे प्रगति की सम्यक निगरानी की जा सके । समिति न केवल भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक विश्लेषण पर कार्य करेगी, बल्कि विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार, शोध परियोजनाओं, शोधार्थियों के प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम विकास में भी योगदान देगी। इसके अतिरिक्त समिति ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।